Dainik Bhaskar, Page -2
Surat 29/03/2024

इस साल दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे, 2025 में मेट्रो और 2026 में बुलेट ट्रेन और रोड ट्रांसपोर्ट के 7 माध्यमों से सूरत बनेगा लॉजिस्टिक हब

मेट्रो: एलिवेटेड कॉरिडोर दिसंबर तक पूरा हो जाएगा

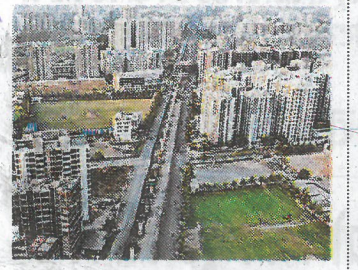

सूरत मेट्रो ट्रेन की लाइन-1 में ड्रीम सिटी से कादरशाह नाल के बीच 11 किमी एलिवेटेड रूट और चौक से कापोद्रा के बीच 6 किमी अंडरग्राउंड रूट पर काम किया गया। प्रोजेक्ट शुरू हो चुका है, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट में प्राथमिकता वाले कॉरिडोर का चयन किया गया है। यानी सबसे पहले इस कॉरिडोर का काम पूरा किया जाएगा। ताकि यहां मेट्रो रेल का ऑपरेशनल ट्रायल किया जा सके। इस संबंध में सबसे पहले लाइन-1 में ड्रीम सिटी से कापोद्रा तक कुल 18.66 किमी लाइन का काम इसी साल दिसंबर 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा।

सूरत में 57 किमी क्षेत्र, ऐना गांव के पास कनेक्टिविटी

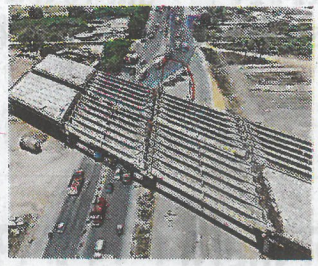

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का 57 किमी लंबा हिस्सा सूरत जिले से होकर गुजरेगा, जिसमें पैकेज 5 के 7.4 किमी, पैकेज 6 के 36.9 किमी और पैकेज 7 के 13 किमी पर काम किया जा रहा है। सूरत को बारडोली हाईवे पर ऐना गांव में कनेक्टिविटी मिलेगी। दिसंबर तक लाभ मिलने लगेगा। एक्सप्रेस वे को एटीएमएस (ऑटोमेटिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) से संचालित किया जाएगा, जिसमें सीसीटीवी कैमरे लगाकर कमांड सेंटर से दुर्घटनाओं या ट्रकों से तेल रिसाव, फिसलन, खराब मौसम और विजिबिलिटी सहित की जानकारी डिस्प्ले की जाएगी।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में 250 किमी का रूट शुरू

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में नवा मकरपुरा से भेस्तान-संजाण के बीच 250 किलोमीटर की लाइन शुरू हो गई है, जिसका उद्घाटन पीएम मोदी ने किया था। शहर में एक बड़ा स्टेशन भी बनाया गया है, जिसमें सिर्फ सामान ही रखा रहता है। यह स्टेशन कडोदरा हाईवे के पास सारोली के पास बनाया गया है, जिससे हाईवे से जुड़ने वाली एप्रोच रोड से शहर की प्रमुख लॉजिस्टिक कंपनियों को फायदा होगा। इस स्टेशन के शुरू होने से सूरत एक प्रमुख लॉजिस्टिक हब के रूप में जाना जाएगा। इस कॉरिडोर से सूरत में रोजाना 500 ट्रकों की आवाजाही बंद हो जाएगी।

सूरत स्टेशन 3 साल में बनेगा मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब

सूरत रेलवे स्टेशन को मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब के रूप में विकसित करना शुरू कर दिया गया है। 827 करोड़ की अनुमानित लागत से प्रोजेक्ट 2027 तक में तैयार हो जाएगा। फिलहाल 1000 लोग काम कर रहे हैं। पहले चरण में स्टेशन के पूर्वी दिशा में स्टेशन से जुड़ने के लिए जीएसआरटीसी बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा, जबकि अप्रैल से प्लेटफॉर्म-4 को बंद कर एलिवेटेड कॉनकोर्स का काम शुरू कर दिया जाएगा। इसमें होटल, रेस्तरां, शॉपिंग सेंटर, बस टर्मिनल, टैक्सी टर्मिनल, वीआईपी लाउंज जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

सूरत को मिला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा

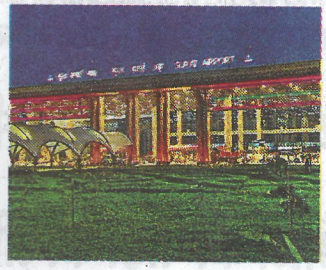

टर्मिनल विस्तार के बाद एयरपोर्ट की क्षमता दोगुनी होने से अंतरराष्ट्रीय दर्जा मिला है। अब सालाना 35 लाख और पीक आवर्स में 1800 यात्रियों को सेवा मिलेगी। भविष्य में सालाना 55 लाख यात्रियों और पीक आवर्स में 3000 यात्रियों को सेवा मिलेगी। 25,500 वर्ग मीटर का नया टर्मिनल 3 गुना बड़ा है और 353 करोड़ की लागत से बनाया गया है, जिसमें 20 चेक-इन काउंटर, 5 कन्वेयर बेल्ट और 500 कारों के लिए पार्किंग है। 13 नई फ्लाइट पार्किंग, समानांतर टैक्सी ट्रैक बनाए जाएंगे। वर्तमान में एआई की शारजाह, दुबई और इंडिगो की दुबई फ्लाइट्स ऑपरेट हो रही है।